प्रशासन सुस्त, आमजन संभाल रहे मोर्चा

आपदाग्रस्त क्षेत्रों में फैलने लगी है दुर्गंध, शक्ति विहार और भक्तियाना में 70-80 घरों में भरा है सिल्ट

राजीव खत्री

श्रीनगर। प्रशासन की सुस्ती के चलते आपदा की मार के जख्म दिन बीतने के साथ भी गहरे होते जा रहे हैं। 16 जून की बाढ़ में अपना सब कुछ गंवा चुके लोग अब भी मदद की आस में बैठे हैं। मगर प्रशासन की बेरुखी है कि दूर ही नहीं होती। करीब एक हफ्ते बाद भी हर तरफ अव्यवस्था का माहौल है। आपदा पीड़ित राहत कार्यों से संतुष्ट नहीं हैं। वहीं आमजन घरों से मलबा हटाने को जुटे हुए हैं।

आपदा के चार दिन बाद भी राहत कार्य तेजी नहीं पकड़ पाया है। घरों की बात तो छोड़िये प्रशासन संपर्क मार्गों को ही दुरुस्त नहीं कर पा रहा है। राहत कार्यों के लिए तीन जेसीबी मशीन, चार डंपर और पांच वाटर टैंकरों के साथ 70 मजदूर लगाने की बात कही जा रही है। मगर धरातल पर कहीं भी काम नजर नहीं आ रहा है। यही वजह है कि चार दिन बाद भी शक्ति विहार और भक्तियाना में 70-80 घरों में सिल्ट भरा हुआ है। आपदा पीड़ित हर्षमणि रतूड़ी का कहना है कि बाढ़ ने हमें बेघर कर दिया है। जिंदगी भर की जमा पूंजी मलबे में दबने के बाद हम सड़क पर आ गए हैं। मगर शासन-प्रशासन का कोई भी नुमाइंदा सुध नहीं ले रहा, लेकिन स्वयंसेवी और छात्र इनकी मदद को आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा प्रशासन को पीड़ितों की मदद के लिए भी आगे आना चाहिए।

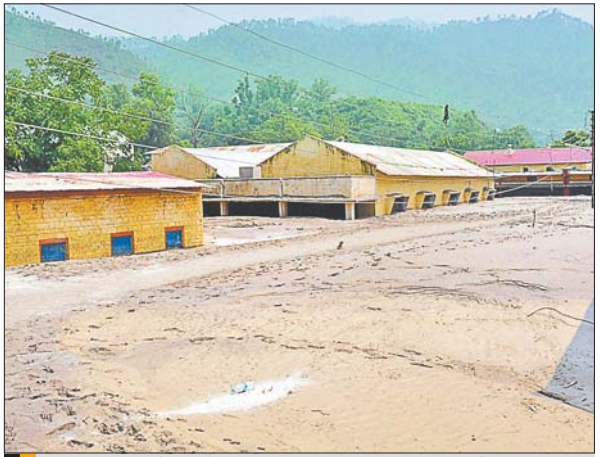

श्रीनगर में आईटीआई परिसर में भरा है 10 फीट ऊंचाई तक मलबा।

श्रीनगर में मलबे में दबा एक स्कूटर।